जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया
हेतु एम.ए. (संस्कृत) का पाठ्यक्रम
सत्र 20 – 20

संस्कृत विषय में स्नातकोत्तर (एम.ए.) उपाधि हेतु पूर्व प्रवृत्त सेमेस्टर प्रणाली अनुसार कुल चार सेमेस्टर होंगे। प्रथम सेमेस्टर में चार प्रश्न पत्र, द्वितीय सेमेस्टर में चार प्रश्न पत्र, तृतीय सेमेस्टर में चार प्रश्न पत्र तथा चतुर्थ सेमेस्टर में तीन प्रश्न पत्र होंगे। चतुर्थ सेमेस्टर का चतुर्थ प्रश्न पत्र मौखिकी का होगा। समस्त प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल 1600 अंकों का पाठ्यक्रम होगा।

प्रथम सेमे./प्रथम प्रश्न पत्र
(वेद एवं वैदिक वाङ्मय का इतिहास)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 (ऋग्वेद से) हिरण्यगर्भसूक्त 10/121, नासदीय सूक्त 10/129

इकाई–02 (ऋग्वेद से) वरुणसूक्त 1/25, विश्वामित्र–नदी संवाद 3/33
(यजुर्वेद) प्रजापति सूक्त, अध्याय 32 का 1–5 तक तथा
(अथर्ववेद) का सामनस्य सूक्त (3.30)

इकाई–03 तैत्तिरीयोपनिषद् से शिक्षा वल्ली

इकाई–04 वैदिक संहिता एवं प्रमुख ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

न्यू वैदिक सेलेक्शन	– वैलंग एवं चौबे
ऋक् सूक्त संग्रह	– डॉ. हरदत्त शास्त्री
वैदिक वाङ्मय का इतिहास	–डॉ. गजाननशास्त्री मुसलगॉवकर
वैदिक साहित्य एवं संस्कृति	– आ. बलदेव उपाध्याय
तैत्तिरीयोपनिषद् (शांकरभाष्य)	– गीता प्रेस गोरखपुर

प्रथम सेमे./द्वितीय प्रश्न पत्र
(भारतीय दर्शन)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 सांख्यकारिका; कारिका 01–18 तक

इकाई–02 सांख्यकारिका; कारिका 19–36 तक

इकाई–03 तर्कभाषा – प्रारम्भ से अनुमान खण्ड पर्यन्त

इकाई–04 वेदान्तसार – प्रारम्भ से पञ्चीकरण पर्यन्त

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

साँख्यतत्त्वकौमुदी	– डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र
साँख्यतत्त्वकौमुदी	– डॉ0 गजाननशास्त्री मुसलगांवकर
तर्कभाषा	– आ0 बदरीनाथ शुक्ल
तर्कभाषा	– आ0 विश्वेश्वर
वेदान्तसार	– डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र
भारतीय दर्शन	– आ0 बलदेव उपाध्याय

प्रथम सेमे./तृतीय प्रश्न पत्र
(पालि, प्राकृत एवं भाषाविज्ञान)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 भाषा की उत्पत्ति (विविध मत), आकृतिमूलक वर्गीकरण

इकाई–02 भाषा परिवर्तन, कारण एवं दिशाएँ, ध्वनिविज्ञान (वाग्यंत्र)

इकाई–03 संस्कृत भाषा विज्ञान, भारोपीय भाषा परिवार, संस्कृत का अवेस्ता आदि से संबंध, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत का अन्तर

इकाई–04 क) **पालिपाठमाला** से सुंसुमारजातकं, वानरिन्दजातकं, उलूकजातकं

ख) **प्राकृत प्रवेशिका** से सुभाषितानि, दोलालीला, चक्रवत् परिवर्तन्ते तथा अभिशापमर्षणम्।

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने

होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ : भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
भाषा विज्ञान – डॉ0 रघुवंशमणि पाठक
संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 भोलाशंकर व्यास
पालिपाठ माला – सं0 बाँकेलाल मिश्र
प्राकृत प्रवेशिका – सं0 डॉ. कोमलचंद जैन
प्राकृत प्रवेशिका – सं0 बाँकेलाल मिश्र

प्रथम सेमे./चतुर्थ प्रश्न पत्र
(काव्य एवं व्याकरण)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग, श्लोक 1–40 तक)
इकाई–02 व्याकरण महाभाष्य – पस्पशाह्निक
इकाई–03 लघुसिद्धान्त कौमुदी (अजन्त प्रकरण) 'राम–हरि', 'रमा–गौरी ज्ञान' तथा 'वारि' शब्दों की सिद्धि
इकाई–04 वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी का कारक प्रकरण (प्रथमा से चतुर्थी तक)

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ : विक्रमांकदेव चरितम् (प्रथम सर्ग)– शेषराज शर्मा रेग्मी
व्याकरण महाभाष्यपस्पशाह्निक – पं. युधिष्ठिर मीमांसक
कारक प्रकरणम् – डॉ. राजकिशोरमणि त्रिपाठी
कारक प्रकरणम् – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी

द्वितीय सेमे./प्रथम प्रश्न पत्र
(वेद एवं वैदिक वाङ्मय का इतिहास)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 (ऋग्वेद से) वाक्सूक्त 10/125; पर्जन्य 5.83, कितव 10/34
इकाई–02 (क) शतपथ ब्राह्मण से वाङ्मनस् संवाद (1/4/5/8–13)

(ख) ऐतरेय आरण्यक से पुरुषविभूति (2/1/7/1)

इकाई–03 तैत्तिरीयोपनिषद् से ब्रह्मानन्द वल्ली

इकाई–04 उपनिषद् एवं वेदांगों का परिचय

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

न्यू वैदिक सेलेक्शन	– वैलंग एवं चौबे
ऋक् सूक्त संग्रह	– डॉ. हरदत्त शास्त्री
वैदिक वाङ्मय का इतिहास	– डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
वैदिक वाङ्मय का इतिहास	– डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर
तैत्तिरीयोपनिषद् (शांकरभाष्य)	– गीता प्रेस गोरखपुर

द्वितीय सेमे./द्वितीय प्रश्न पत्र
(भारतीय दर्शन)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 सांख्यकारिका, का0 37 से 54 तक

इकाई–02 सांख्यकारिका, का0 55 से 72 तक

इकाई–03 तर्कभाषा – उपमान प्रमाण तथा शब्द प्रमाण

इकाई–04 वेदान्तसार – स्थूल प्रपञ्च से अन्त तक

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

साँख्यतत्त्वकौमुदी	– डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र
साँख्यतत्त्वकौमुदी	– डॉ0 गजाननशास्त्री मुसलगांवकर
तर्कभाषा	– आ0 बदरीनाथ शुक्ल
वेदान्तसार	– डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र

द्वितीय सेमे./तृतीय प्रश्न पत्र
(पालि, प्राकृत एवं भाषाविज्ञान)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 भारोपीय भाषा परिवार का परिचय, भारतेरानीशाखा तथा प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्यभाषाएं

इकाई–02 पदविज्ञान, अर्थविज्ञान, संस्कृत तथा आर्येत्तर भाषाएं

इकाई–03 संस्कृत का ध्वनिविज्ञान, प्राचीन भारतीय आचार्यों का योगदान

इकाई–04 क) **धम्मपद** से यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, चित्तवग्गो

ख) **प्राकृत प्रवेशिका** से प्रत्यभिज्ञानकम्, कापाटिक प्रलापः, विनयोपदेशः, दशधर्माणि

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

भाषा विज्ञान, भाषा एवं लिपि	– डॉ0 रघुवंशमणि पाठक
सामान्य भाषा विज्ञान	– डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
धम्मपद	– सं0 जगन्नाथ उपाध्याय
प्राकृत प्रवेशिका	– सं0 डॉ. कोमलचंद जैन
पालि पाठमाला	– डॉ0 बाँकेलाल मिश्र

द्वितीय सेमे./चतुर्थ प्रश्न पत्र
(काव्यशास्त्र एवं व्याकरण)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 **काव्य प्रकाश** – (नवम तथा दशम उल्लास) अनुप्रास, यमक, पुनरुक्तवदाभास, उपमा, रुपक, अनन्वय, उत्प्रेक्षा, सन्देह, अपह्नुति, प्रतिवस्तूपमा, दीपक तुल्ययोगिता, समासोक्ति

इकाई–02 **काव्य प्रकाश** – व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, विरोधाभास, काव्यलिंग, परिकर, भ्रान्तिमान, स्मरण, संसृष्टि संकर

इकाई–03 **लघुसिद्धान्त कौमुदी** – तिङन्त प्रकरण से भू, अद, शीङ् धातुरूपों की सिद्धि एवं सूत्र व्याख्या

इकाई–04 **कारक प्रकरणम्** – पंचमी से सप्तमीतक

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

काव्य प्रकाश	– आ0 विश्वेश्वर
लघुसिद्धान्त कौमुदी	– डॉ0 धरानन्द शास्त्री
लघुसिद्धान्त कौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी
कारक प्रकरणम्	– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी

साहित्य वर्ग/तृतीय सेमे./प्रथम प्रश्न पत्र
(काव्यशास्त्र)
(सत्र 20 –20 से लागू)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 काव्य प्रकाश – प्रथम उल्लास

इकाई–02 काव्य प्रकाश – द्वितीय उल्लास, का0 01–09 कारिका तक

इकाई–03 काव्य प्रकाश – द्वितीय उल्लास, का0 10– अन्त तक

इकाई–04 काव्य प्रकाश – चतुर्थ उल्लास, का0 01–29 तक

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ : काव्य प्रकाश – आ0 विश्वेश्वर
काव्य प्रकाश – डॉ0 रामसागर त्रिपाठी
काव्य प्रकाश – श्रीनिवास शास्त्री

साहित्य वर्ग/तृतीय सेमे./द्वितीय प्रश्न पत्र
(रुपक एवं नाट्य शास्त्र)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 मृच्छकटिक – अंक 01 से 03 तक

इकाई–02 मृच्छकटिक – अंक 04 से 05 तक

इकाई–03 दशरूपक – प्रथम प्रकाश

इकाई–04 दशरूपक – द्वितीय प्रकाश

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ : मृच्छकटिकम् – डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी
मृच्छकटिकम् – डॉ0 भोलाशंकर व्यास
दशरूपकम् – डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी

साहित्य वर्ग/तृतीय सेमे./तृतीय प्रश्न पत्र
(गद्य काव्य)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 हर्षचरितम् – प्रथम उच्छवास (श्लोक 01 से 20 तक)

इकाई–02 हर्षचरितम् – प्रथम उच्छवास (श्लोक 21 से तां निशामनयत् तक)

इकाई–03 हर्षचरितम् – प्रथम उच्छवास (अन्येद्युरुदिते–व्यचेष्टत मधुकर कुलैः तक)

इकाई–04 हर्षचरितम् – प्रथम उच्छवास (अथगणरात्रापगमे – अन्त तक)

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ : हर्षचरित – डॉ0 जगन्नाथ पाठक

बाणभट्ट का साहित्यिक अनु ीलन – डॉ0 अमरनाथ पाण्डेय

साहित्य वर्ग/तृतीय सेमे./चतुर्थ प्रश्न पत्र
(पद्यकाव्य)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग) – श्लोक 01 – 25 तक

इकाई–02 नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग) – श्लोक 26 – 64 तक

इकाई–03 नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग) – श्लोक 65 – 118 तक

इकाई–04 नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग) – श्लोक 119 – अन्त तक

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ : नैषधीयचरितम् – शेषराजशर्मा रेग्मी

नैषधीयपरिशीलन – डॉ0 चण्डिका प्रसाद शुक्ल

साहित्य वर्ग/चतुर्थ सेमे./प्रथम प्रश्न पत्र
(काव्यशास्त्र)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) कारिका 01 – 13 तक

इकाई–02 ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) कारिका 14 – अन्त तक

इकाई–03 वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) कारिका 01 – 22 तक

इकाई–04 वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) कारिका 23 – 58 तक

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ : ध्वन्यालोक (प्र0उ0) – डॉ0 जगन्नाथ पाठक
ध्वन्यालोक (प्र0उ0) – डॉ0 रामसागर त्रिपाठी
वक्रोक्तिजीवितम् – डॉ0 दशरथ द्विवेदी

साहित्य वर्ग/चतुर्थ सेमे./द्वितीय प्रश्न पत्र
(रुपक एवं नाट्यशास्त्र)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 रत्नावली नाटिका (प्रथम तथा द्वितीय अंक)

इकाई–02 रत्नावली नाटिका (तृतीय तथा चतुर्थ अंक)

इकाई–03 दशरुपक – तृतीय प्रकाश

इकाई–04 दशरुपक – चतुर्थ प्रकाश

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ : रत्नावली – डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी
रत्नावली – डॉ0 बैजनाथ पाण्डेय

साहित्य वर्ग/चतुर्थ सेमे./तृतीय प्रश्न पत्र
(चम्पू काव्य एवं गीति काव्य)

पूर्णांक : 100

इकाई–01 नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास) श्लोक 01–16 तक

इकाई–02 नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास) श्लोक 17–33 तक

इकाई–03 पूर्व मेघ श्लोक 01–29 तक

इकाई–04 पूर्व मेघ श्लोक 30–अन्त तक

निर्देश : प्रथम प्रश्न 40 अंकों का अनिवार्य होगा। इसमें चार–चार अंकों के दस लघुउत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह–पन्द्रह अंकों के चार प्रश्न करने होंगे जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

नलचम्पू	– डॉ0 परमेश्वरदीन पाण्डेय
नलचम्पू का आलोनात्मक अध्ययन	– डॉ0 छविनाथ त्रिपाठी
मेघदूत	– डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी
संस्कृत के महाकवि एवं काव्य	– डॉ0 रामजी उपाध्याय
संस्कृत साहित्य का इतिहास	– आ0 बलदेव उपाध्याय

चतुर्थ सेमे./चतुर्थ प्रश्न पत्र

मौखिकी **पूर्णांक : 100**